Vishnu Chalisa एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान विष्णु की महिमा और उनके दिव्य गुणों की प्रशंसा करता है। भगवान विष्णु हिंदू धर्म में ब्रह्मा और शिव के साथ त्रिमूर्ति के रूप में माने जाते हैं और उन्हें सृष्टि, स्थिति, और संहार के देवता के रूप में पूजा जाता है। **Vishnu Chalisa** को विशेषकर वैष्णव समुदाय और विष्णु भक्तों द्वारा पाठ किया जाता है।

॥ श्री विष्णु चालीसा ॥ Shree Vishnu Chalisa ॥

॥ दोहा॥

विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय ।
कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ।

॥ चौपाई ॥

नमो विष्णु भगवान खरारी ।
कष्ट नशावन अखिल बिहारी ॥

प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी ।
त्रिभुवन फैल रही उजियारी ॥

सुन्दर रूप मनोहर सूरत ।
सरल स्वभाव मोहनी मूरत ॥

तन पर पीतांबर अति सोहत ।
बैजन्ती माला मन मोहत ॥4॥

शंख चक्र कर गदा बिराजे ।
देखत दैत्य असुर दल भाजे ॥

सत्य धर्म मद लोभ न गाजे ।
काम क्रोध मद लोभ न छाजे ॥

संतभक्त सज्जन मनरंजन ।
दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ॥

सुख उपजाय कष्ट सब भंजन ।
दोष मिटाय करत जन सज्जन ॥8॥

पाप काट भव सिंधु उतारण ।
कष्ट नाशकर भक्त उबारण ॥

करत अनेक रूप प्रभु धारण ।
केवल आप भक्ति के कारण ॥

धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा ।
तब तुम रूप राम का धारा ॥

भार उतार असुर दल मारा ।
रावण आदिक को संहारा ॥12॥

आप वराह रूप बनाया ।
हरण्याक्ष को मार गिराया ॥

धर मत्स्य तन सिंधु बनाया ।
चौदह रतनन को निकलाया ॥

अमिलख असुरन द्वंद मचाया ।
रूप मोहनी आप दिखाया ॥

देवन को अमृत पान कराया ।
असुरन को छवि से बहलाया ॥16॥

कूर्म रूप धर सिंधु मझाया ।
मंद्राचल गिरि तुरत उठाया ॥

शंकर का तुम फन्द छुड़ाया ।
भस्मासुर को रूप दिखाया ॥

वेदन को जब असुर डुबाया ।
कर प्रबंध उन्हें ढूंढवाया ॥

मोहित बनकर खलहि नचाया ।
उसही कर से भस्म कराया ॥20॥

असुर जलंधर अति बलदाई ।
शंकर से उन कीन्ह लडाई ॥

हार पार शिव सकल बनाई ।
कीन सती से छल खल जाई ॥

सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी ।
बतलाई सब विपत कहानी ॥

तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी ।
वृन्दा की सब सुरति भुलानी ॥24॥

देखत तीन दनुज शैतानी ।
वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ॥

हो स्पर्श धर्म क्षति मानी ।
हना असुर उर शिव शैतानी ॥

तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे ।
हिरणाकुश आदिक खल मारे ॥

गणिका और अजामिल तारे ।
बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ॥28॥

हरहु सकल संताप हमारे ।
कृपा करहु हरि सिरजन हारे ॥

देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे ।
दीन बन्धु भक्तन हितकारे ॥

चहत आपका सेवक दर्शन ।
करहु दया अपनी मधुसूदन ॥

जानूं नहीं योग्य जप पूजन ।
होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ॥32॥

शीलदया सन्तोष सुलक्षण ।
विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ॥

करहुं आपका किस विधि पूजन ।
कुमति विलोक होत दुख भीषण ॥

करहुं प्रणाम कौन विधिसुमिरण ।
कौन भांति मैं करहु समर्पण ॥

सुर मुनि करत सदा सेवकाई ।
हर्षित रहत परम गति पाई ॥36॥

दीन दुखिन पर सदा सहाई ।
निज जन जान लेव अपनाई ॥

पाप दोष संताप नशाओ ।
भव-बंधन से मुक्त कराओ ॥

सुख संपत्ति दे सुख उपजाओ ।
निज चरनन का दास बनाओ ॥

निगम सदा ये विनय सुनावै ।
पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ॥40॥

श्री Vishnu Chalisa की महत्वपूर्ण विशेषताएं

Vishnu Chalisa एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान विष्णु की महिमा और उनके दिव्य गुणों की प्रशंसा करता है। भगवान विष्णु हिंदू धर्म में ब्रह्मा और शिव के साथ त्रिमूर्ति के रूप में माने जाते हैं और उन्हें सृष्टि, स्थिति, और संहार के देवता के रूप में पूजा जाता है। **Vishnu Chalisa** को विशेषकर वैष्णव समुदाय और विष्णु भक्तों द्वारा पाठ किया जाता है।

विष्णु की प्रशंसा: Vishnu Chalisa के पाठ से भक्त भगवान विष्णु की प्रशंसा करते हैं और उनके दिव्य गुणों की स्तुति करते हैं।

त्रिमूर्ति के रूप में पूजा: Vishnu Chalisa में भगवान विष्णु को ब्रह्मा, विष्णु, और महेश के त्रिमूर्ति के रूप में पूजा जाता है, जो भक्तों को त्रिमूर्ति के उपास्य स्वरूप को समझाता है।

भक्ति और समर्पण: Vishnu Chalisa के पाठ से भक्त भगवान विष्णु के प्रति अपार भक्ति और समर्पण का संकल्प करते हैं।

विष्णु अवतारों की स्तुति: Vishnu Chalisa में भगवान विष्णु के अवतारों की स्तुति होती है, जैसे राम, कृष्ण, वामन, नरसिंह, और परशुराम आदि।

आध्यात्मिक उन्नति: Vishnu Chalisa के पाठ से भक्त के आत्मा में आध्यात्मिक उन्नति और संवेदना का संबल विकसित होता है।

इस प्रकार, **Vishnu Chalisa** विष्णु भक्तों के लिए एक प्रमुख धार्मिक पाठ है, जो उन्हें भगवान विष्णु की प्रशंसा, त्रिमूर्ति के उपास्य स्वरूप, भक्ति, विष्णु अवतारों की स्तुति, और आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

Visit: https://sunderkand.net/